

प्रेषक,

डी०एस० गब्र्याल,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मेलाधिकारी,  
अर्द्ध कुम्भ मेला-2016,  
हरिद्वार।

शहरी विकास अनुभाग-3

देहरादून: दिनांक: 22 दिसम्बर, 2015

विषय- अर्द्ध कुम्भ मेला-2016 की व्यवस्थाओं के अर्न्तगत हरिद्वार द्वारा पशुओं को चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1236/अ०कु०मे०/पशु०वि०, दिनांक 19.11.2015 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि अर्द्ध कुम्भ मेला-2016 की व्यवस्थाओं के अर्न्तगत हरिद्वार द्वारा पशुओं को चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के सम्बन्ध में पशु पालन विभाग, हरिद्वार द्वारा उपलब्ध कराये गये आगणन रू० 16.95 लाख (रू० सोलह लाख पिच्चानवे हजार मात्र) के कार्य पर उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली-2008 के अनुसार कार्यवाही किये जाने हेतु वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करते हुये समस्त धनराशि रू० 16.95 लाख (रू० सोलह लाख पिच्चानवे हजार मात्र) आपके निर्वतन पर रखते हुये व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

क्र० सं०	कार्य का नाम	धनराशि (रू० लाख में)
1	03 अस्थायी पशु चिकित्सालयों हेतु जीवन रक्षक दवाईयां/सज्जा, बैक्सीन उपकरण इत्यादि।	4.50
2	दो सचल पशु चिकित्सालयों की स्थापना हेतु जीवन रक्षक दवाईयां/सज्जा, बैक्सीन, उपकरण इत्यादि।	3.00
3	टैन्ट/टैन्टेज की व्यवस्था।	2.00
4	विद्युतीकरण व्यवस्था।	0.50
5	ऑयल/मोटर गाड़ी अनुरक्षण।	1.20
6	प्रचार-प्रसार	0.80
7	यात्रा व्यय/दैनिक भत्ता इत्यादि।	3.50
8	अन्य व्यय।	0.25
9	एक सचल पशु चिकित्सा वाहन की व्यवस्था (किराये पर)।	1.20
	<b>योग</b>	<b>16.95</b>

2- उक्त धनराशि का व्यय निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन किया जायेगा:-

(i) भारत सरकार से प्राप्त धनराशि की प्रथम किश्त से ही उक्त धनराशि का समायोजन सुनिश्चित करेंगे।



(ii) कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ रेटस में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता/सक्षम अधिकारी से अनुमोदित करना आवश्यक होगा।

(iii) वित्तीय हस्तपुस्तिका एवं बजट मैनुअल तथा इस सम्बन्ध में समय-समय पर निर्गत शासनादेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाये।

(iv) कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।

(v) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि की स्वीकृति गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

(vi) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुये एवं लो०नि०वि० द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुये निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित किया जाएगा।

(vii) निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय।

(viii) आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता एवं अधीक्षण अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

(ix) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन किया जाएगा।

(x) आगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि वित्त विभाग द्वारा निर्धारित प्रारूप पर कार्यदायी संस्था से एम०ओ०यू० कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व करा लिया गया है। स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय व कार्य निश्चित समयावधि में पूर्ण किया जाय।

(xi) निर्माण कार्य का पुनरीक्षण नहीं किया जाएगा तथा कार्य की थर्ड पार्टी क्वालिटी चैकिंग कराई जाएगी।

(xii) आगणन में प्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित कार्यदायी संस्था पूर्णरूप से उत्तरदायी होगी।

(xiii) अस्वीकृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त की जाएगी। साथ ही यह परिवर्तन स्वीकृत धनराशि की सीमान्तर्गत ही किया जाएगा।

(xiv) प्रश्नगत कार्य का गहन निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण पशुपालन विभाग के स्तर से भी किया जाएगा।

3- उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों, वित्तीय हस्त पुस्तिका व बजट मैनुअल के अनुसार किया जाय।

4- इस सम्बन्ध में होने वाले व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2015-16 की अनुदान संख्या-13 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2217- शहरी विकास-03-छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का

समेकित विकास-आयोजनागत-800-अन्य व्यय-01 केन्द्रीय  
आयोजनागत/केन्द्रपुरोनिधानित-0109-अर्द्ध कुम्भ मेला, 2016 हेतु अवस्थापना सुविधा की  
मानक मद संख्या-20 सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नाम डाला जाएगा।  
5- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-866/XXVII(2)/2015, दिनांक 21  
दिसम्बर, 2015 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।  
6- एलॉटमेंट आई0डी0 संख्या-एच0 1512131481 एवं एस0 1512130296  
दिनांक 22 दिसम्बर, 2015 के द्वारा उक्त धनराशि ऑनलाइन रूप से अवमुक्त की गई है।

भवदीय,  
(डी0एस0 गब्याल)  
सचिव।

संख्या-2114 (1)/IV-3/2015-04(122)/2015, तददिनांक:

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
2. महालेखाकार (आडिट), उत्तराखण्ड, वैभव पैलेस, सी0-1/105, इन्दरा नगर, देहरादून।
3. प्रमुख सचिव, पशु पालन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
4. आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
5. जिलाधिकारी, हरिद्वार।
6. मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, हरिद्वार।
7. निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. वरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
9. वित्त अनुभाग-2
10. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,  
(ओमकार सिंह)  
संयुक्त सचिव।



बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20152016

Secretary, Urban Development (Grants) (9005)

आवंटन पत्र संख्या - 2114/15-04(122)2015

अलोटमेंट आई डी - H1512131481

अनुदान संख्या - 013

आवंटन पत्र दिनांक -22-Dec-2015

DDO Name - Meladhikari KumbhHaridwar (2871) , Treasury - Haridwar (6500)

1: लेखा शीर्षक	2217 - शहरी विकास	03 - छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास
	800 - अन्य व्यय	01 - केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना
	09 - हरिद्वार अर्द्धकुम्भ मेला 2016 हेतु अवस्थापना सुविधा	

Plan Voted			
मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	योग
20 - सहायक अनुदान/अंशदान/राज	527774000	1695000	529469000
	527774000	1695000	529469000

Total Current Allotment To DDO In Above Schemes -

1695000

